[Shri K. C. Ramamurthy]

and has also received the UNESCO World Heritage recognition. UNESCO has described Hampi as 'austere and grandiose', but it amuses me, Sir, that the released 'Must See List' of ASI has left out Hampi which is a disgrace to the nation in general and Karnataka in particular. Sir, the 'Must See List' contains monuments and other very important sites in the country which are exceptional in terms of art and architecture, planning and design, engineering marvels and a testimony to the civilizational past, but, I am sure no one in this House would disagree with me when I say that Hampi in Karnataka qualifies beyond these prescriptions. I am shocked how come ASI has left out Hampi when UNESCO itself has recognised it as a world heritage site. Sir, the hon. Minister is on record saying that Hampi was left out by overlooking it. It is not just overlooking, Sir. It is being neglected, if I may say so, and it has been removed from the list. How can a site like Hampi, which has thousands of years of legacy be overlooked? In view of the above, I demand through you, Sir, the Government of India to immediately include Hampi in the 'Must See List' of ASI without any further delay.

SHRI D. KUPENDRA REDDY (Karnataka): Sir. I associate myself with Zero Hour mention made by the hon. Member.

DR. K. V. P. RAMACHANDRA RAO (Telangana): Sir, I also associate myself with Zero Hour Mention made by the hon. Member.

DR. SONAL MANSINGH (Nominated): Sir, I too associate myself with Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I associate myself with Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I associate myself with Zero Hour mention made by the hon. Member.

DR. L. HANUMANTHAIAH (Karnataka): Sir, I associate myself with Zero Hour mention made by the hon. Member.

श्री हुसैन दलवई (महाराष्ट्र): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

Need to declare the Eastern Rajasthan Canal Project as National Project

डा. किरोड़ी लाल मीणा (राजस्थान): माननीय सभापति जी, राजस्थान एक ऐसा प्रदेश है, जहां देश के कुल भूभाग का 10.41 परसेंट भूभाग है और वहां पर मात्र एक प्रतिशत बरसात होती है। इन सब स्थितियों को देखते हुए राजस्थान की सरकार ने केन्द्र सरकार को एक प्रस्ताव भेजा है और वह यह है कि चम्बल और उसकी सहायक नदियों का जो पानी बहकर व्यर्थ चला जाता है, उसको व्यवस्थित

तरीके से नहर एवं पाइपलाइन के माध्यम से राज्य के 13 जिलों में सिंचाई और पीने के पानी की दृष्टि से उपलब्ध कराना है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि यह प्रथम फेज़ में करीबन 37,000 करोड़ का प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट की रिपोर्ट केन्द्र सरकार को प्रस्तुत कर दी गई है। इसमें चम्बल नदी, काली सिंध, पार्वती, बनास, मेज, कुन्नू आदि नदियों का पानी जाएगा। अलवर, भरतपुर, धौलपुर, सवाई माधोपुर, दौसा, करौली, जयपुर, अजमेर, टोंक, बूंदी, कोटा, बारां, झालावार, इन जिलों को यह पानी उपलब्ध कराया जाएगा। माननीय सभापति महोदय, first, second और third फेज़ में यह पाया गया है कि करौली एवं सवाई माधोपुर जिले के माड़ क्षेत्र को छोड़कर समूचा दौसा जिला इस योजना से वंचित रह गया है, इसलिए प्रथम चरण में इसका प्रस्ताव चैनपुर, नादौटी से उर्मिला सागर, जो कि धौलपुर के मार्ग से जाएगा। वहीं करौली जिले के वंचित बांध नींदर, मामचारी, मोहनपुरा, बोरूंदा, जगर बांध, न्यू टैंक महस्वा, किंसनसमद बांध, रोसी बांध, फतेह सागर बांध, आगरी महुक्यारदा, सवाई माधोपुर का मोरा सागर, देवपुरा, भगवतगढ़, पाचौलास, मुई नागोला, माड़ क्षेत्र के नाग तलाई, मोती सागर, बनियावाला, गंडाल, रिवाली, अखोदिया, पिपलायी, शंकर सागर, दौसा जिले का मोरेल बांध, माधो सागर, काला खो, सेंथल सागर, झिलमिली, बिनौरी सागर, श्रीटोली, चान्द्रना, भण्डारी, सुरजपुरा, सिंथौली, जगरामपुरा, कोटा, कोंडला, खोरा, हुल्ला, शीशवाड़ा आदि गांव, जो इस प्रोजेक्ट से वंचित रह गए, उनको प्रथम चरण में शामिल किए जाने की मांग है। इसके अलावा सेकेण्ड और थर्ड फेज़ में अलवर, जयपुर और टोंक के जो महत्वपूर्ण बांध रह गए हैं, उनको इसमें जोड़ा जाना बहुत जरूरी है। सभापति महोदय, मैं एक मिनट और लूंगा। आप जानते है कि राजस्थान में पानी की भीषण समस्या है, राज्य सरकार के पास उसे लिए सीमित संसाधन हैं, इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि इसको नेशनल प्रोजेक्ट घोषित किया जाए और इस प्रोजेक्ट को special assistance दिया जाए, जिससे 13 जिलों के पीने के पानी की समस्या का समाधान हो सके।

Need to lay a separate railway line connecting Bibinagar junction to Valigouda, Suryapet and Kodad in Telangana

SHRI B. LINGAIAH YADAV (Telangana): Hon. Chairman, Sir, I thank you for giving this opportunity to make my Zero Hour submission.

I may kindly be permitted to bring to your kind notice that at present broad gauge line is passing through Secunderabad, Bibinagar Junction of Bhongir in Yadadri-Bhongir District passing through Valigonda, Chityal, Nalgonda, Miryalaguda, Vazirabad, connecting Guntur in Andhra Pradesh State. The other important towns such as Narketpally, Kattangoor, Nakrekal, Suryapet, Munagala and Kodad of Nalgonda and Suryapet Districts are devoid of any railway connectivity. Sir, Suryapet is District headquarters. It is on NH-65 heading to Vijayawada from Hyderabad. There is a heavy traffic on this National Highway. Further, Kodad town is a revenue division headquarters. It is an upcoming town with many commercial and industrial activities, particularly cement industries in and around Suryapet and Kodad towns. There is another important town — Jaggaiahpet Mandal headquarters — in Krishna District in AP. It is 20 Kms from Kodad town. This